Group Communication

समूह संचार

Presented by

Dr. Archana Bharti

Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper- 101

Date- 02/08/2021

Group Communication

- समूह समाज में रहने वाले मनुष्यों का एक संग्रह है जिसके बीच किसी न किसी प्रकार का सम्बंध पाया जाता है।
- व्यक्तियों का जब एक समूह आमने–सामने विचार–विमर्श, गोष्ठी, सभा आदि में विचारों का आदान–प्रदान करता है तो उसे समूह संचार कहा जाता है।
- यह एक प्रभावशाली संचार की प्रक्रिया है। इसमें भी फीडबैक मिलती है। परन्तु अंतरवैयक्तिक की तरह नहीं।

Group Communication

- प्रत्येक समूह की एक पहचान होती है जिसकी निश्चित विशेषताएं होती हैं। समूह के सदस्यों के बीच कार्यात्मक (Functional) सम्बंध होते हैं।
- समूह कई प्रकार के होते हैं जैसे कि–सामाजिक सम्पर्क के आधार पर और कार्य व्यवहार के आधार पर।
- समूह संचार से जुड़े श्रोता या दर्शक बिखड़े हुए नहीं होते हैं बल्कि एक जगह पर एकत्रित रहते हैं।

Group Communication

- समूह संचार सभा, गोष्ठी, परिचर्चा, नाटक, वाद–विवाद, प्रतियोगिता आदि के माध्यम से होता है।
- जो छोटे या लघु समूह होते हैं इनमें सीमित सदस्यों का आमने–सामने और घनिष्ठ सम्बंध होता हैं।
- लघु समूह में दस व्यक्तियों का समूह होता है। इन समूहों जो संचार की प्रक्रिया होती है वह आमने–सामने दिखाई देती है। सभी सदस्य व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। और प्रत्येक सदस्य एक–दूसरे पर नियंत्रण रखता है।

Group Communication

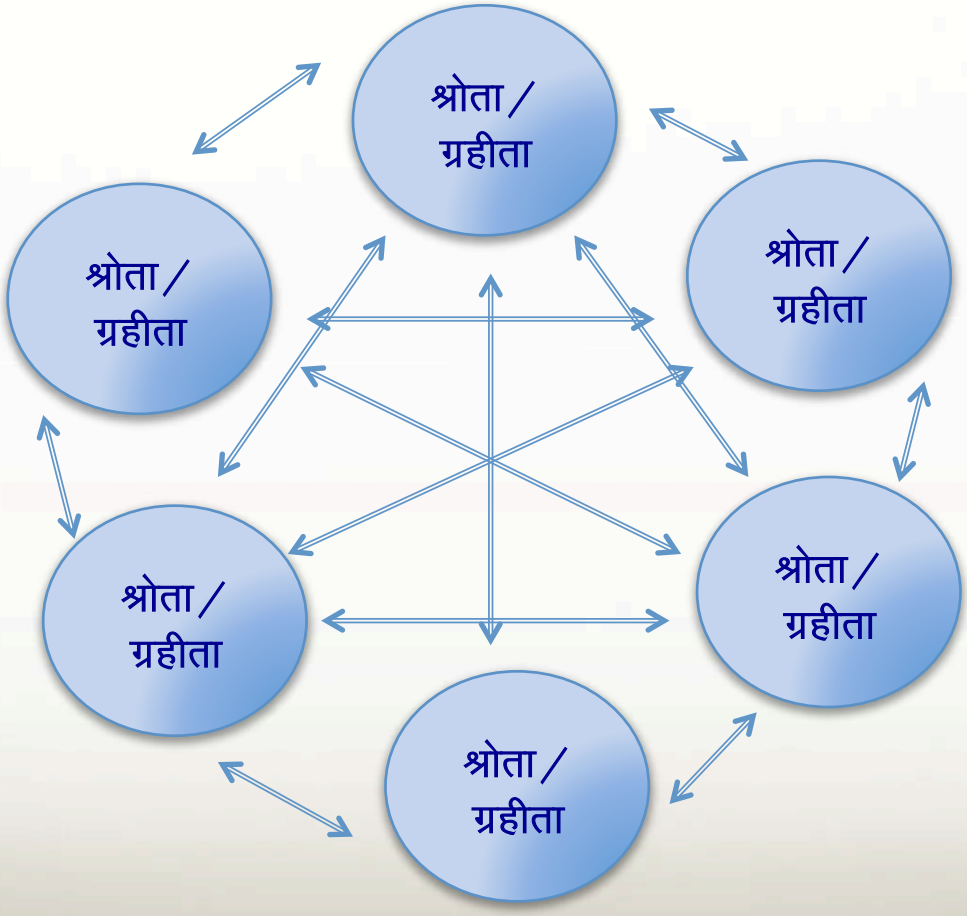

Group Communication

- लघु समूह में अंतरवैयक्तिक संचार की प्रक्रिया भी पूरी होती है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति सम्प्रेषण और ग्रहीता की भूमिका का निर्वाह करता है।
- लघु समूह में जब सहभागी लोगों की संख्या बढ़ती है तब इसमें फीडबैक तुरन्त नहीं मिल पाता है। इसलिए इसकी संख्या दस तक ही सीमित मानी गई है।
- वहीं बड़े समूह में सहभागिता की संख्या निर्धारित नहीं की गई हैं। लेकिन इसमें पंद्रह से बीस व्यक्ति समूह संचार की प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

Group Communication

- बड़े समूह में संचार की प्रक्रिया भी लगभग छोटे समूह के समान ही होती है। बड़े समूह में संचार के लिए यह जरूरी हो जाता है कि संचार की प्रक्रिया को सही रूप से संचालित करने के लिए उसकी व्यवस्था इस प्रकार से की जाती है कि प्रत्येक व्यक्ति एक–दूसरे की आवाज को सुन सके। इसमें संचार प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में दृश्य सामग्री का भी सहयोग लिया जाता है। जैसे कि, स्लाइड, प्रोजेक्टर, वीडियो आदि।
- श्रोता या दर्शक की संख्या अधिक होने से कभी–कभी संचार की प्रक्रिया बाधित भी हो जाती है।